

Castes and Scheduled Tribes and the tribes living in forests, if so, what are the details thereof?]

विधि मंत्रालय तथा समाज कल्याण विभाग में राज्य मंत्री (डॉ० श्रीमती फुलरेनु गुहा) :

(1) अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के लोगों को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में लोहागिरी, बड़ईगिरी, औजार बनाने, फिटर, टर्नर, इलेक्ट्रिशियन, वायरमेन इत्यादि का प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे विभिन्न लघु उद्योगों में रोजगार प्राप्त कर सकें। राज्य क्षेत्र योजनाओं में शिल्पकारों/प्रशिक्षार्थियों को कुटीर उद्योग शुरू करने के लिए अनुदान देने की कोई व्यवस्था नहीं है।

(2) जंगलों में अनुसूचित आदिम जातियों के लोगों के रोजगार को बढ़ावा देने के लिए आदिम जाति क्षेत्रों में काम करने वाले निगमों/सहकारी संस्थाओं ने वन उत्पादनों के आधार पर लघु उद्योगों की स्थापना की है।

[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF LAW AND IN THE DEPARTMENT OF SOCIAL WELFARE (DR. SHRIMATI PHULRENU GUHA) : (1) Scheduled Caste and Scheduled Tribe persons are given training in the Industrial Training Institutes in trades like blacksmithy, carpentry, tool making, fitter, turner, electrician, wiremen etc. to enable them to secure employment in various small scale industries. There is a provision in the State Sector Schemes for giving grants to artisans/trainees to start cottage industries.

(2) To encourage employment of Scheduled Tribes living in forests some of the Corporations/Co-operative Societies working in the tribal areas have set up small scale industries based on forest produce.]

INTRODUCTION OF DE LUXE TRAINS ON METRE GAUGE LINES

583. SHRI K. S. CHAVDA : Will the Minister of RAILWAYS be pleased

to refer to the reply to Starred Question No. 12 given in the Rajya Sabha on the 27th April, 1970 and state the reasons for not introducing the De Luxe trains on metre gauge lines on the Indian Railways?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI GULZARILAL NANDA) : Construction of rakes for Metre Gauge De Luxe trains has been ordered and the introduction of De Luxe trains is awaiting availability of these rakes.

AUTOMOBILE TYRE FACTORY IN KERALA

584. SHRI B. V. ABDULA KOYA : Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether the Chief Minister of Kerala has urged the Union Government for the establishment of an automobile tyre factory in Kerala during his recent visit to the Capital; and

(b) if so, the reaction of Government in this regard?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI FAKHRUDDIN ALI AHMED) : (a) Yes, Sir.

(b) The matter is under consideration of Government.

585. [Transferred to the 20th May, 1970.]

जयपुर के लिये ब्राडगेज रेल मार्ग

586. श्री जगदीश प्रसाद माथुर : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या राजस्थान की राजधानी जयपुर को ब्राड गेज लाइन से जोड़ने की कोई योजना सरकार के विचाराधीन है ?

†[BOARD GAUGE RAIL LINK FOR JAIPUR

586. SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR : Will the MINISTER OF RAILWAYS be pleased to state whether Government have any scheme under consideration to link Jaipur, the capital of Rajasthan, by broad-gauge line ?]

रेल मंत्री (श्री गुलजारी लाल नन्दा) : ऐसी कोई योजना विचारधीन नहीं है।

†[THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI GULZARILAL NANDA) : No such scheme is under consideration.]

इस्पात कारखानों का कार्यकरण

587 श्री जगदबी प्रसाद यादव :

श्री मान सिंह वर्मा :

क्या इस्पात तथा भारी इंजीनियरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कौन-कौन से इस्पात कारखाने अपनी पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं और बाकी इस्पात का खाने कब तक अपनी पूरी क्षमता से काम करने लगेंगे और उस समय उनके द्वारा कुल कितना उत्पादन होगा; और

(ख) किस समय तक भिलाई इस्पात कारखाना पूरी क्षमता से काम करना शुरू कर देगा ?

WORKING OF STEEL PLANTS

587. SHRI J. P. YADAV :

SHRI MAN SINGH VARMA :

Will the MINISTER OF STEEL AND HEAVY ENGINEERING be pleased to state :

(a) the number of steel plants which are working to their full capacity and by when the remaining steel plants would work to their full capacity and what would be their total production at that time; and

(b) the time by when the Bhilai Steel Plant will start working to its full capacity ?]

इस्पात तथा भारी इंजीनियरी मंत्रालय में उपमंत्री (श्री मोहम्मद शफी कुरेशी) : (क) और (ख) निजी और सरकारी क्षेत्र के इस्पात कारखानों की निर्धारित क्षमता 1969-70 का उनका वास्तविक उत्पादन

और 1970-71 में उनका अनुमानित उत्पादन नीचे दिखाया गया है :

(हजार टन)

कारखाना	निर्धारित क्षमता	1969-70 का उत्पादन	1970-71 का अनुमानित उत्पादन
टिस्को	2000	1708	2000
इस्को	1000	700	900
भिलाई	2500	1859	2250
राउरकेला	1800	1104	1500
दुर्गापुर	1600	818	1100
योग	8900	6189	7750

इस्पात कारखाने का उत्पादन कामगारों और कर्मचारियों की कुशलता और उनमें अनुशासन, श्रमिक संबंध, माल और फालतू पुर्जों की देशीय स्रोतों और आयात दोनों से समय पर उपलब्धि आदि पर निर्भर करता है। अतः इन बातों को ध्यान में रख कर 1970-71 का उपर्युक्त उत्पादन कार्यक्रम तैयार किया गया है। कारखानों में निर्धारित क्षमता को प्राप्त करने के लिए हर प्रकार से प्रयत्न किया जा रहा है।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF STEEL AND HEAVY ENGINEERING (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI) : (a) and (b) The installed capacity of the Steel Plants in the private and public sectors in terms of ingot steel actual